अगुण्यमान (a-gunyamāna) *adj.* not being repeated केवलं बहुवेदस्यागुण्यमानं प्रणश्यतीति स्वाध्यायो न निवर्तते ManuBh. i. 447. 11 (*on* 5. 59); अगुण्यमानं तु सदा साधूनां विस्मृतं श्रुतम् । अनभ्यसनतो नश्यत्यधीतं धीमतामपि PariPar. 9. 56.

अगुण्यवृत्ति (agunya-vṛtti) *f.* conduct or action of one who does not possess good qualities साधवः ··· । तुलयन्ति न राम विक्रमं द्विषतीतापमगुण्यवृत्तिभिः JānaHa. 4. 67.

अगुदृग्योग (agudṛg-yoga) *m.* association with the aspect of the planet Rāhu (भानुना शोकः ।) चन्द्रगुरुदृग्योगान्निश्चयेन (v. l. चन्द्रागुदृग्योगान्निश्चयेन JaimiUpaSū. iv. 1. 52. (Bangalore, 1955)

अगुप्त (á-gupta) *adj.* [*f.* -ā] **A i** unprotected, unguarded अ॒न्ये वा॒ वै नि॒धिम॑गु॒प्तं वि॒न्दन्ति TaiS. V. vi. 6. 2; तथाप्यगुप्तानां सीमावरोधविचयं दद्युः ArthS'ā. ii. 178. 3 (4. 13); अकालसहमत्यल्पं मूर्खव्यसनिनायकम् । अगुप्तं भीरुयोधं च दुर्गव्यसनमुच्यते Hitopa. 3. 134; **ii** unprotected (i. e. having no guardian (such as husband etc.), unrestrained, independent ब्राह्मण्यामगुप्तायां क्षत्रियस्योत्तमः (दण्डः) ArthS'ā. ii. 181. 3 (4. 13) (comm. तस्यां स्वतन्त्रायां क्षत्रियस्य गन्तुः उत्तमः साहसदण्डः); शूद्रो गुप्तमगुप्तं वा द्वैजातं वर्णमावसन् । अगुप्तमङ्गसर्वस्वैर्गुप्तं सर्वेण हीयते ManuSm. 8. 374 (ManvaMu. भर्त्रादिभी रक्षितामरक्षितां वा); ब्राह्मणीं यद्यगुप्तां तु गच्छेतां वैश्यपार्थिवौ । वैश्यं पञ्चशतं कुर्यात्क्षत्रियं तु सहस्रिणम् ManuSm. 8. 376; अगुप्ता व्याख्याता । भ्रष्टशीलानाथा च ManuBh. ii. 226. 26 (*on* 8. 376); यद्यप्यगुप्ता परदाराव्यपदेश्या भवति विवाहसंस्कारे सति, तथापि स्वैरिणी भर्तृस्वतामतिक्रान्ता ManuBh. ii. 229. 10 (*on* 8. 385); ii. 226. 9 (*on* 8. 374); Mitā. 311. 24 (*on* 2. 286); अगुप्तासु भवेद् दण्डः सुगुप्तास्वधिको भवेत् MatsyaP. 227. 138; ViṣṇuDhaP. ii. 72. 123; अगुप्ते मानसव्यभिचारादरक्षिते गृहेऽवरुद्धे इति यावत् SmṛtiCan. iv. 745. 19; अगुप्तया अरक्षितव्या(? या) इत्थं सवर्णया सह संगतः पञ्चशतानि दण्ड्य इति Subodhi. 105. 3 (*on* 2. 286); 104. 31 (*on* 2. 286); परिणीता अनेकविधा ··· गुप्ता अगुप्ता चेति DaṇḍaVi. 154. 5; (अगुप्तमङ्गसर्वस्वी गुप्तं सर्वेण हीयते) अगुप्तमरक्षितम् DaṇḍaVi. 172. 16; 167. 22; **Bi** not concealed, not invisible (मन्त्री) यथा सिद्धादिषु द्विज । गगनस्थेष्वदृश्यः स्यादाचरेन्न्यासमात्मनः । अगुप्तस्य यतो वीर्यं मन्त्रजस्याहरन्ति ते JayāS. 11. 8; **Bii** unbridled, licentious (इदम्··· उद्यानं पश्यतु भवान्) हृदयमिव दुरात्मनामगुप्तम् Mṛcch. 8. 4; **C** uncontrolled इन्द्रियाणि ह्यगुप्तानि दुःखाय च भवाय च Saund. 13. 54; गुप्तानि शब्दादिषु रागादिनिरोधाद् अगुप्तानि च आगमश्रवणेर्यासमित्यादिष्वनिरोधादिन्द्रियाणि येषां ते (गुप्तागुप्तेन्द्रियाः) AupaSūṬ. 66. 1.

अगुप्तत्व (a-guptatva) *n.* state of being unprotected उभयत्र दत्तयोर्गुप्तत्वागुप्तत्वयोर्मूलानुक्तयोर्विशेषणयोः फले आह BālamBha. ii. 334. 19 (*on* 2. 286)

अगुप्तत्वपक्ष (aguptatva-pakṣa) *m.* the alternative of the state of being unprotected द्विजातिस्त्रियमभिगच्छतः शूद्रस्य तस्यागुप्तत्वपक्षे एकाङ्गच्छेदः DaṇḍaVi. 172. 7.

अगुप्तब्राह्मणीगमन (aguptabrāhmaṇī-gamana) *n.* sexual intercourse with an unprotected Brahmin woman बलादगुप्तब्राह्मणीगमने तु सहस्रपणात्मकः (दण्डः) DaṇḍaVi. 168. 9; मिताक्षरापक्षे तु यद्यपि तत्सममिति संख्यासाम्यनिरूपकोऽगुप्तब्राह्मणीगमनदण्ड एकत्र ब्राह्मणकर्मकोऽन्यत्र क्षत्रियवैश्यकर्मक एवेति विशेषोऽस्ति DaṇḍaVi. 168. 21; अगुप्तब्राह्मणीगमने यो दण्डः स इत्यर्थः VyavaMa. 248. 6.

अगुप्तश्रुतचारित्र (agupta-śrutacāritra) *adj.* endowed with unconcealed erudition and character श्रुतचारित्रयोर्जाता यस्याहंता न विद्यते । अगुप्तश्रुतचारित्रं नारदं तं नमाम्यहम् SkandP. i(2). 54. 28.

अगुप्तागमन (aguptā-gamana) *n.* sexual intercourse with an unprotected woman अगुप्तागमने पञ्चशतानि प्रवासनाङ्कने ManuBh. ii. 229. 10 (*on* 8. 385)

अगुप्तासवर्णागमन (aguptāsavarṇā-gamana) *n.* sexual intercourse with an unprotected woman of the same caste अगुप्ता(? अगुप्त)सवर्णागमने दण्डमाह सहस्रमिति BālamBha. ii. 334. 20 (*on* 2. 286)

अगुप्तिमत् (agupti-ma(n)t) *adj.* having no protection चन्दने विषधरान्सहामहे वस्तु सुन्दरमगुप्तिमत्कुतः । रक्षितुं वद किमात्मसौष्ठवं संचिताः खदिर कण्टकास्त्वया BhallaS'. 32 = SūktiMu. 33. 51 = SūktiRa. 171. 19 = S'ārṅgaPa. 1043 = Subhāṣi. 798.

अगुप्तैकाङ्गसर्वस्विन् (aguptaikāṅgasarvasv-in) *adj.* one who has received (the punishment of) a limb (being cut off) and (confiscation of) the whole property when the sin is committed against an unprotected woman अगुप्ते बाह्वाद्येकाङ्गकर्तनं सर्वस्वग्रहणं चेत्येकाङ्गसर्वस्वं तद्वानगुप्तैकाङ्गसर्वस्वी ManvaVi. 1093. 9 (*on* 8. 374)

¹अगुरु (a-guru) *m.* other than a preceptor or an elder तान्न साधारणे श्मशाने प्रयुञ्जीत···नागुरवे BaudhPiMe. ii. 2. 3; उच्छिष्टमगुरोरभोज्यम् VasiSm. 14. 17; शुश्रूषणं चाप्यगुरोररेर्वाप्यकार्यमेतद्धि सदा द्विजानाम् BrahmāṇḍP. ii. 15. 45; इदं त्वगुरोः श्रेयसः प्रत्युत्थानमासनस्थस्यैव सम्भवति ManuBh. i. 137. 9 (*on* 2. 119); उच्छिष्टमगुरोः ··· ब्रह्मचारी वर्जयेत् Mitā. 11. 9 (*on* 1. 33); अदेवे देवबुद्धिर्या गुरुधीरगुरौ च या YogS'ā. 2. 3 = TriṣaS'aPuC. ii. 3. 891; BālamBha. i. 432. 20 (*on* i. 167)

अगुरु (a-guru) *adj.* [*f.* -rvī] **1** who has no teacher नृपः···अगुरूणां गुरुर्भवेत् MahāBhā. iv. 329*. 8; अगुरूणामियं गुर्वी रत्नाकरतनूद्भवा MalliC. 8. 96; **2** not having the meaning 'preceptor' अनुपसर्गाच्चरेराङि चागुरौ (यत्) Vār. 1 (*on* P. iii. 1. 100); चरेराङि चागुरौ (यः) Kātan. iv. 2. 14; अगुरावाङः (चरः यत्) CāndraVyā. i. 1. 111; आङोऽगुरौ (चरः यः) S'ākaṭāVyā. iv. 3. 71; चरेराङस्त्वगुरौ (यः) SiddhaHe. v. 1. 31; अगुरौ किम् । आचार्यः PrakriKau. ii. 477. 5; **3** not heavy, light अगुरवः परमाणवः स्युः NyāyVār. 240. 10 (*on* ii. 1. 31); लघु स्यादगुरुण्यपि AnekāSa. 768; लघुनि चागुरुः TrikāS'e. 3. 330; अगुरुस्त्वगरौ लघौ AnekāSaṁ. 3. 513; अगुरुः स्यात्···लघुन्यपि ViśvaPra. 141. 197; अगुरु ··· लघुनि स्यात् NānārthāSaṁ. ii. 60. 157; अगुरु ··· लघुनि MediK. 141. 111; AnekāTi. 2. 263; NānārthaMa. 335; ViśvaLoK. 294. 102; S'abdaRaSaK. 264. 15; **4** insignificant अगुरुं भरासहिष्णुं जनम् ··· विवर्ज्य कृतवसतिमिवार्णवोपकण्ठे (महेन्द्रं समीयुः) Bhaṭṭi. 10. 48 (comm. अगुरुं लघु तुच्छमित्यर्थः); एकं मुक्त्वोर्वीमगुर्वीं दधाना व्यर्था मूर्ध्नामालयो व्यालनेतुः Acyutarā. 7. 54; **5** not long (i. e. short in duration) कालोऽयम्···अगुरुर्न चातिलघुरप्याद्यन्तहीनो महान् KalyāKā. 4. 2; **6** not profuse (i. e. parsimonious) तादृशोपस्थित्योश्चानुगतानतिप्रसक्तस्य कारणतावच्छेदकस्यागुरोर्दुर्वचतया S'aktiVā. 32. 15; तादृशात्मनेपदत्वस्यागुरोर्निर्वचनासंभवात् VyutpaVā. 199. 31; **7** (vowel) not heavy (by nature or by position) अपिनान्त्यस्य गुरोरगुरोश्चेत्यर्थः LaS'abdeS'e. i. 114. 21; **8** not offensive, not troublesome [DBHS]

²अगुरु (aguru) *m. n.* cf. **अगरु** **1** tree called Agallochum, *Amyris agallocha* प्रविवेश ··· अशोकवनिकाम् । चन्दनागुरुचूतैश्च ··· समन्तादुपशोभिताम् Rāmā. vii. 42. 2; अवतीर्णोऽसौ द्वीपम् ··· अगुरुचन्दनैः । ··· उपशोभितम् PadmP. (Ra.) 6. 92; 42. 14; KalyāKā. 12. 12; लवलीग्रन्थिपर्णकागुरुद्राक्षाकस्तुरिकादीनामुत्पादः KāvyMī. 93. 24; वृक्षमगुरुं गणनायकः (उपाश्रितः) SkandP. vi. 252. 21; iv. 1. 9; NemiC. 5. 51; वृक्षे लघुनि चागुरुः TrikāS'e. iii. 3. 330; नागपुन्नागलवङ्गागुरुचन्दनाः···विचित्रा यत्र शाखिनः PārśvC. 7. 62; (इदम्) सुरदारुमलयमुस्तकलाक्षागुरुशीलचूर्णकर्पूरम् S'ārṅgaPa. 3262; चम्पकाशोकपुन्नागनारङ्गागुरुचन्दनैः ।···युतम् (काननम्) CitraPaC. 98; Anyo. 2 = PadyaVe. 670; **2** aloe wood करमाहारयामास··· । चन्दनागुरुवस्त्राणि मणिमुक्तमनुत्तमम् MahāBhā. ii. 27. 26; अगुरु – जोङ्गकं कालं कालचित्रं मण्डलचित्रं वा ArthS'ā. i. 189. 1 (2. 11); i. 277. 1 (2. 22); SuśruS. vi. 21. 11; अनभिज्ञो यथा जात्यं दहेदगुरुकाष्ठवत् Saund. 15. 26;-रास्नागुरुणी शीतापनयप्रलेपनानां (श्रेष्ठे) CaraS. i. 3. 26 (1922 Ed.); i. 4. 37 (1922 Ed.); BhelaS. 206. 27 (6. 26); द्वित्रीन्द्रियाष्टभागैरगुरुः···गन्धाः कर्तव्याः सर्वतोभद्राः BṛSaṁ. 77. 23; AmaK. 1326; कटुतिक्तोष्णमगुरु स्निग्धं वातकफापहम् AṣṭāSaṁ. i. 78. 23 (1. 12); AṣṭāHṛ. i. 15. 43; PadmP.(Ra.) 78. 8; NāgaSa. 4. 4; मनःशिलालभल्लातसूक्ष्मैलागुरुचन्दनैः (वल्मीकं नाशयेत्) SiddhYo. 57. 8; ParyāRaMā. 14. 263; YaśasCam. i. 295. 3; कृष्णेनागुरुणा कृष्णं धूपयन्ति SkandP. vii(4). 23. 47; (मन्त्रिणः) महीपतिम् । अगुरुभिश्चाभियुक्तायां चितायामध्यरोपयन् DevīBhāP. ii. 11. 2; अगुरौ प्रवरं शृङ्गं शीर्षकं मृदुलं लघु S'eṣaNā. 1672; मङ्गल्या च वचा रुद्रा मल्लिगन्धागुरुस्तथा DharK. 1955; Rasā. 1. 39; CaturCin. ii(2). 53. 6; चन्दनागुरुकस्तूरीकर्पूरैर्यागमण्डपम् । धूपयेत् MahNirvāT. 5. 79; PañcSā. 3. 16; S'ārṅgaP. 214; 1000; 3206; 3257; MadaPāNi. 25. 14; RājNi. 421. 17; 430. 2; KumāCaSaṁ. 109. 10; अगर्वगुरुलोहे तु राजार्हं कृमिजं च तत् ParaNā. 2225; BallāC. 72. 9; TantrSā.(K.) 23. 26; 49. 30; 49. 32; 53. 25; AlaṅkāS'e. 17. 0(14); अगुरु इति षण्ढत्वमार्षम् VīraMi.(Pūja.) 155. 25; अगुर्वगरु चायुस्कं राजार्हं जोङ्गकं तथा KośaKaTa. 1. 3472; अगुरुर्वसुकः केश्यः शृङ्गारो विश्वरूपकः KalpaK. 65. 406; 469. 75; **3** powder or paste of aloe wood गुरूणि वासांस्यगुरूणि चैव सुखाय शीते ह्यसुखाय घर्मे BuddhC. 11. 42; पलाशसमिधः ··· चन्दनागुरुणा तद्वत् कुङ्कुमेनाभिषिञ्चिताः (होतव्याः) MatsyaP. 93. 143; BrahmāṇḍP. ii. 22. 52; VāyuP. ii. 13. 32; AṣṭāHṛ. i. 3. 20; कुङ्कुमेनानुदिग्धाङ्गोऽगुरुणा गुरुणापि वा (स्वप्यात्) AṣṭāSaṁ. i. 15. 20 (1. 4); EI. iv. 79. 48; कफे···चण्डागुरुभ्यामनुलेपनम् SiddhYo. 39. 4; 19. 8; 49. 3; YaśasCam. i. 529. 6; चन्दनागुरुकर्पूरकस्तूरीकुङ्कुमादिभिः । ··· पूजयेद् द्विजदम्पती SkandP. ii(8). 8. 11; BrahmVaiP. iii. 7. 4; ViṣṇuDhaP. i. 141. 13; अगुरुं दक्षिणे दद्यादघोरेण LiṅgaP. i. 81. 14; BrahmP. 220. 167; BṛDharmaP. i. 16. 11; BhaviP. 89B. 11 (i. 47. 63); कुङ्कुमागुरुकर्पूरस्पृक्कैलाचन्दनादिभिः । सुगन्धा मिश्रितैरेभिः ··· वसुन्धरा SamarāSū.